नैदानिक परीक्षण के परिणाम

Eisai

शोध के प्रायोजक:	ईसई (Eisai)
अध्ययन की दवा:	Perampanel या E2007
राष्ट्रीय नैदानिक परीक्षण #:	NCT01393743 (भाग ए) NCT02307578 (भाग बी)
EudraCT संख्या:	2011-000265-12
प्रोटोकॉल #:	E2007-G000-332
परीक्षण की अवधि:	जुलाई 2011 से मई 2014
परीक्षण का लघु शीर्षक:	यह देखने के लिए परीक्षण कि पेरैमपैनल टॉनिक-क्लोनिक दौरों वाले लोगों में दौरों की संख्या को कम करने में सहायता करता है या नहीं

धन्यवाद!

नैदानिक परीक्षण में भागीदार के रूप में, आप दुनियाभर में उन भागीदारों के एक विशाल समुदाय का हिस्सा हैं जो स्वास्थ्य-संबंधी महत्वपूर्ण प्रश्नों के उत्तर देने और नए चिकित्सीय उपचारों की खोज करने में शोधकारों की सहायता करते हैं।

ईसई (Eisai), एक जापानी दवा कंपनी और इस परीक्षण की प्रायोजक, आपकी मदद के लिए धन्यवाद। ईसई (Eisai) अधूरी आवश्यकताओं के क्षेत्र में निरंतर शोध के माध्यम से स्वास्थ्य में सुधार करने और जिस परीक्षण में आपने भाग लिया उसके परिणाम आपके साथ साझा करने के लिए वचनबद्ध है। ईसई (Eisai) ने सीआईएससीआरपी (CISCRP) नामक एक स्वतंत्र गैर-लाभकारी संगठन और सिंक्रोजेनिक्स (Synchrogenix) नामक चिकित्सीय एवं विनियामक लेखन संगठन के साथ यह सारांश तैयार किया है।

यदि परिणामों के बारे में आपके कोई प्रश्न हैं, तो कृपया अपनी परीक्षण साइट पर चिकित्सक, शोध नर्स, या टीम के किसी अन्य सदस्य से बात करें।

मेरा परीक्षण समाप्त होने के बाद से क्या हुआ है?

आपने लगभग 3 वर्षों तक इस परीक्षण में भाग लिया, लेकिन परीक्षण को पूरा होने में लगभग 4 वर्ष लगे। मई 2014 में जब परीक्षण समाप्त हुआ था, तो प्रायोजक ने डेटा की समीक्षा की थी और परिणामों की रिपोर्ट बनाई थी। यह उस रिपोर्ट का सारांश है।

यह परीक्षण 2 भागों में किया गया था। भाग ए में 78 साइटों के 164 भागीदार शामिल थे। भाग बी में 69 साइटों के 138 भागीदार शामिल थे। परीक्षण साइटें निम्न देशों में स्थित थीं:

- ऑस्ट्रेलिया
- ऑस्ट्रिया
- चीन
- चेक रिपब्लिक
- फ्रांस
- जर्मनी
- यूनान
- भारत
- इज़राइल
- जापान
- लाटविया
- लिथुएनिया
- पोलैंड
- सर्बिया
- दक्षिण कोरिया
- युनाइटेड स्टेट्स

शोध की आवश्यकता क्यों थी?

शोधकर्ता “प्राथमिक सामान्यीकृत टॉनिक-क्लोनिक दौरों” का अनुभव करने वाले मिर्गी से पीड़ित लोगों का इलाज करने का बेहतर तरीका ढूँढ़ रहे थे। जब किसी व्यक्ति को टॉनिक-क्लोनिक दौरा पड़ता है, तो शरीर में सभी माँसपेशियाँ सख्त हो जाती हैं, और फिर शरीर को अनियंत्रित रूप से झटके लगने शुरू हो जाते हैं। यह माना जाता है कि ग्लूटामेट, दिमाग में मौजूद एक रसायन, की अत्यधिक गतिविधि के कारण दौरे पड़ सकते हैं।

इस परीक्षण में शोधकर्ता यह जानना चाहते थे कि पेरैमपैनल नामक दवाई उन लोगों के लिए मददगार हो सकती है जो अन्य दौरा-रोधी दवाइयों के लिए प्रतिक्रिया नहीं करते। पेरैमपैनल दिमाग में ग्लूटामेट की गतिविधि को कम करती है।

परीक्षण में शोधकर्ताओं द्वारा पूछे गए मुख्य प्रश्न थे:

- क्या भागीदारों के वर्तमान या पिछले दौरा-रोधी उपचार की तुलना में पेरैमपैनल ने उनमें टॉनिक-क्लोनिक दौरों की संख्या को कम किया था?
- पेरैमपैनल कितनी सुरक्षित थी, और प्रतिकूल घटनाएं क्या थीं? एक प्रतिकूल घटना ऐसा कोई भी संकेत या लक्षण होती है जो परीक्षण दवा के कारण उत्पन्न हो सकता है या नहीं भी हो सकता।

इन प्रश्नों के उत्तर देने के लिए, शोधकर्ताओं ने आप जैसे वयस्कों और किशोरों से मदद माँगी थी। इस परीक्षण में भागीदारों की आयु 12 से 70 वर्ष थी। सभी भागीदार टॉनिक-क्लोनिक दौरों से पीड़ित थे जिनमें किसी अन्य मिर्गी-रोधी उपचार से सुधार नहीं हुआ था। पूरे परीक्षण में, भागीदारों ने परीक्षण दवाओं के अलावा उनका मिर्गी-रोधी उपचार जारी रखा था।

यह किस प्रकार का परीक्षण था?

इस परीक्षण में 2 भाग थे: भाग ए और भाग बी।

भाग ए “डबल-ब्लाइंड” था। इसका यह मतलब है कि किसी भी भागीदार, शोधकर्ता और स्टाफ़, या प्रायोजक को यह नहीं पता था कि प्रत्येक रोगी का कौन सा इलाज किया गया। इस परीक्षण में भागीदारों ने पेरैमपैनल या प्लेसबो (प्रायोगिक औषधि) ली थी। प्लेसबो परीक्षण दवा जैसी दिखाई देती है लेकिन उसमें कोई असली दवाई मौजूद नहीं होती। प्लेसबो का उपयोग करना यह जानने में शोधकर्ताओं की मदद करता है कि बिलकुल कोई इलाज न होने के मुकाबले अध्ययन दवाई बेहतर है। परीक्षण समाप्त होने पर, प्रायोजक को पता चला कि भागीदारों का कौन सा इलाज किया गया था ताकि वे परीक्षण परिणामों की रिपोर्ट बना सकें।

भाग बी "खुला-लेबल" था। इसका यह मतलब है कि भागीदारों, शोधकर्ताओं और स्टाफ़, और प्रायोजक को यह पता था कि प्रत्येक रोगी का कौन सा इलाज किया जा रहा था। भाग बी के दौरान, सभी भागीदारों ने पेरैमपैनल ली थी, और शोधकर्ताओं ने लंबे समय तक पेरैमपैनल के प्रभावों को देखना जारी रखा।

परीक्षण के दौरान क्या हुआ था?

नीचे दिया गया चित्र दिखाता है कि परीक्षण कैसे किया गया था।

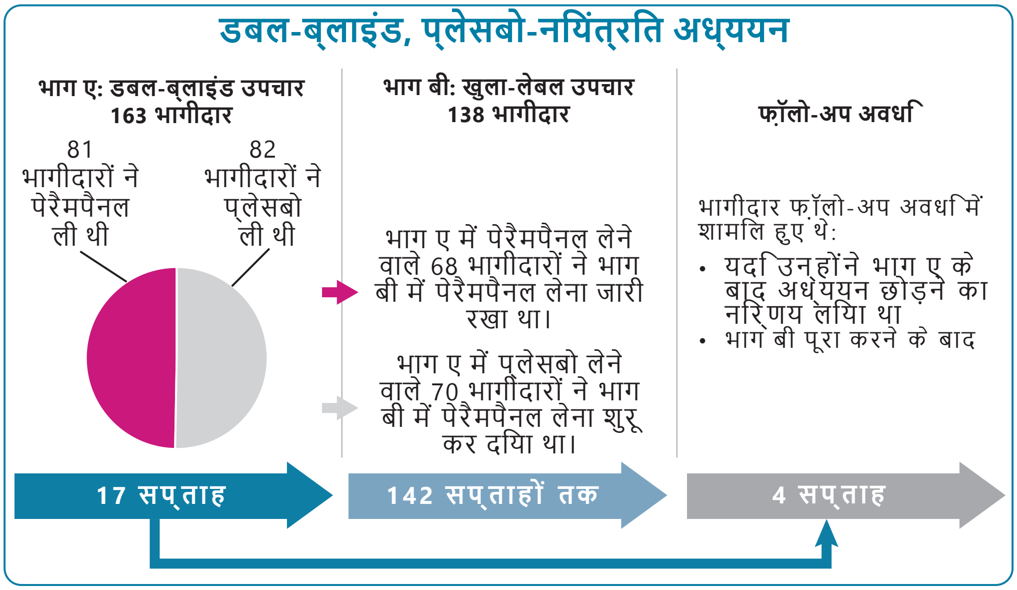

परीक्षण शुरू होने से पहले, शोधकर्ताओं ने यह सुनिश्चित करने के लिए सभी भागीदारों का पूरा चेक-अप और शारीरिक जाँच की थी कि वे परीक्षण में भाग ले सकते हैं। शोधकर्ताओं ने खून और मूत्र के नमूने भी लिए थे, और इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ECG) का उपयोग करके भागीदारों के दिल के स्वास्थ्य की जाँच भी की थी। भागीदारों को उन्हें पड़ने वाले दौरों का विवरण लिखने के लिए डायरी भी दी गई थी। यदि भागीदार शारीरिक आवश्यकताओं को पूरा करते थे और 8 सप्ताहों में उन्हें 3 या अधिक टॉनिक-क्लोनिक दौरे पड़े थे, तो वे परीक्षण में शामिल होने के लिए योग्य थे।

भाग ए के दौरान, भागीदारों को बेतरतीबी ढंग से 17 सप्ताहों के लिए पेरैमपैनल या प्लेसबो लेने के लिए असाइन किया गया था। पेरैमपैनल प्राप्त करने वाले हर 1 भागीदार के लिए, 1 भागीदार को प्लेसबो मिली थी। इसका यह मतलब है कि भागीदारों को पेरैमपैनल या प्लेसबो मिलने की बराबर संभावना थी। पहले सप्ताह में, भागीदारों ने रोज़ाना 2 मिलिग्राम (मि.ग्रा.) निर्धारित परीक्षण दवाई ली थी। भागीदारों के साथ कोई बुरी प्रतिकूल घटना न होने पर, सप्ताह 4 तक हर सप्ताह उनकी खुराक में 2 मि.ग्रा. की वृद्धि की गई थी। किसी भागीदार द्वारा ली जाने वाली सबसे ज़्यादा खुराक रोज़ाना 8 मि.ग्रा. है। भागीदारों ने 13 सप्ताहों के लिए सप्ताह 4 में मिली खुराक लेना जारी रखा। भाग ए के अंत में, भागीदार परीक्षण दवाई लेना बंद करने और 4-सप्ताह की फ़ॉलो-अप अवधि शुरू करने, या परीक्षण के भाग बी में प्रवेश करने, का चुनाव कर सकते थे।

भाग बी के दौरान, प्रत्येक भागीदार ने 142 सप्ताहों तक पेरैमपैनल ली थी। यदि भाग ए में भागीदार ने पेरैमपैनल ली थी, तो वह वही खुराक लेना जारी रख सकता है, या अपनी खुराक को रोज़ाना 12 मि.ग्रा. तक बढ़ा सकता है। यदि भाग ए में भागीदार ने प्लेसबो ली थी, तो उसने रोज़ाना 2 मि.ग्रा. की खुराक से शुरुआत की थी, और हर सप्ताह उसकी खुराक 2 मि.ग्रा. से बढ़ाकर रोजाना अधिकतम 12 मि.ग्रा. तक की गई थी। भाग बी के अंत में, सभी भागीदारों ने 4-सप्ताह की फ़ॉलो-अप अवधि शुरू की थी।

भाग बी के अंत में, सभी भागीदारों ने 4-सप्ताह की फ़ॉलो-अप अवधि शुरू की थी।

पूरे परीक्षण में, भागीदारों ने परीक्षण दवाओं के अलावा उनका मरि्गी-रोधी उपचार जारी रखा था। शोधकर्ताओं ने नमि्न कदम भी उठाए थे:

- खून और मूत्र के नमूने लिए थे,
- भागीदारों के रक्तचाप, वज़न, और हृदयगतकिो मापा था,
- भागीदारों से उनके दौरों के बारे में डायरी रखने, और हर वज़िटि में डायरी जाँचने के लिए कहा था, और
- हर वज़िटि में उनके जीवन की गुणवत्ता के बारे में पूछा था।

फ़ॉलो-अप अवधकि अंत में, भागीदारों का एक और चेक-अप तथा शारीरकि जाँच की गई थी।

परीक्षण के परणिाम क्या थे?

यह इस परीक्षण के सभी परणिामों का सारांश है, आपके व्यक्तगित परणिामों का नहीं। प्रत्येक भागीदार के लिए परणिाम अलग-अलग हो सकते हैं। यह नरि्णय लेने के लिए शोधकर्ता कई अध्ययनों के परणिाम देखते हैं कि कौन सी दवाई सबसे अच्छा कार्य करती है और रोगयिों के लिए सबसे सुरक्षति है। अन्य परीक्षण नई जानकारी या अलग परणिाम प्रदान कर सकते हैं। आपको पहले अपने चकित्सिक से बात कएि बनिा कसिी एक परीक्षण के परणिामों के आधार पर अपने उपचार में बदलाव नहीं करने चाहएि।

क्या भागीदारों के वर्तमान या पछिले दौरा-रोधी उपचार की तुलना में पेरैमपैनल ने उनमें टॉनकि-क्लोनकि दौरों की संख्या को कम कयिा था?

हाँ। भाग ए के दौरान, शोधकर्ताओं ने यह देखने के लिए हर 28 दनिों बाद भागीदारों की परीक्षण डायरयिों पर नज़र डाली थी कपिरीक्षण शुरू होने के बाद से भागीदारों को अक्सर कब दौरे पड़े थे। पेरैमपैनल समूह के भागीदारों को परीक्षण शुरू होने से पहले की तुलना में लगभग 76.5% कम दौरे पड़े थे। प्लेसबो समूह के भागीदारों को परीक्षण शुरू होने से पहले की तुलना में लगभग 38.4% कम दौरे पड़े थे (शोधकर्ताओं के पास प्लेसबो समूह में एक भागीदार का दौरे संबंधी आँकड़े नहीं थे)। नीचे दयिा गया चार्ट उपचार से पहले की तुलना में भागीदारों के दौरों में औसम कमी दखिाता है।

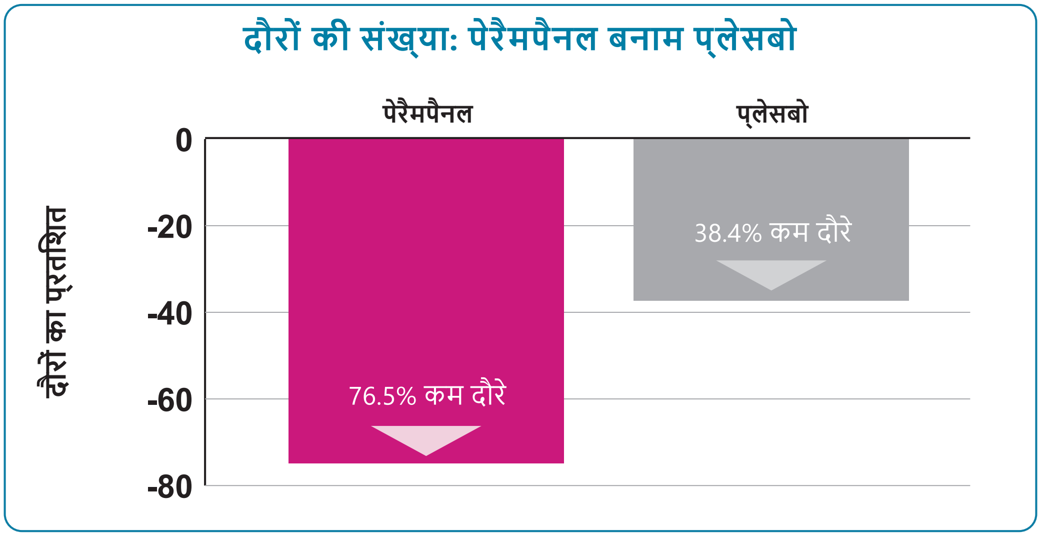

भाग बी के दौरान, शोधकर्ताओं ने यह गनिना जारी रखा था कभिागीदारों को कतिने दौरे पड़े थे। उन्होंने पाया कउिपचार के कम से कम 2 वर्षों बाद, पेरैमपैनल के साथ इलाज से पहले की तुलना में भागीदारों को 100% कम टॉनकि-क्लोनकि दौरे पड़े थे।

शोधकर्ता यह भी जानना चाहते थे कि पैरैम्पैनल अन्य प्रकार के दौरों में भी मददगार हो सकती थी या नहीं, जिनमें बेसुधी के दौरे और मायक्लोनिक दौरे शामिल थे। बेसुधी के दौरे थोड़ी देर के लिए, अचानक ध्यान गँवा देते हैं जिन्हें लोग "हक्का बक्का होना" कहते हैं। मायक्लोनिक दौरे टॉनिक-क्लोनिक दौरों के समान होते हैं, लेकिन केवल किसी एक माँसपेशी या माँसपेशियों के छोटे समूह में पड़ते हैं।

नीचे दी गई तालिका भाग ए में उपचार और भाग बी में इलाज के 2 वर्षों के बाद की तुलना में भागीदारों को पड़े बेसुधी और मायक्लोनिक दौरों का पूरा प्रतिशत दिखाती है। भले ही भाग ए के लिए प्लेसबो समूह में 82 भागीदार थे, शोधकर्ताओं के पास केवल 81 भागीदारों के लिए यह जानकारी उपलब्ध थी।

उपचार से पहले की तुलना में बेसुधी और मायक्लोनिक दौरों का प्रतिशत

	भाग ए		भाग बी
दौरे का प्रकार	**मपैनल (81 भागीदारों में से)**	**प्लेसबो (81 भागीदारों में से)**	**पैरैम्पैनल (138 भागीदारों में से)**
बेसुधी का दौरा	41.2% कम दौरे	7.6% कम दौरे	74.3% कम दौरे
मायक्लोनिक दौरा	24.5% कम दौरे	52.5% कम दौरे	48.8% कम दौरे

भागीदारों को क्या चिकित्सीय समस्याएं हुई थीं?

यह जानने के लिए बहुत ज़्यादा शोध की ज़रूरत है कि दवा से कोई चिकित्सीय समस्या होती है या नहीं। इसलिए जब नई दवाइयों का अध्ययन किया जा रहा होता है, तो शोधकर्ता रोगियों की सभी चिकित्सीय समस्याओं का ध्यान रखते हैं। इन चिकित्सीय समस्याओं को "प्रतिकूल घटनाएं" कहा जाता है।

परीक्षण के दौरान कितने भागीदारों को प्रतिकूल घटनाएं हुई थीं?

नीचे दी गई तालिका दिखाती है कि इस परीक्षण के भाग ए में कितने भागीदारों को प्रतिकूल घटनाएं हुई थीं।

इस परीक्षण में प्रतिकूल घटनाएं

	भाग ए		भाग बी
	पैरैम्पैनल (81 भागीदारों में से)	**प्लेसबो (82 भागीदारों में से)**	**पैरैम्पैनल (138 भागीदारों में से)**
कितने भागीदारों को प्रतिकूल घटनाएं हुई थीं?	67 भागीदार (82.7%)	59 भागीदार (72.0%)	120 भागीदार (87.0%)
कितने भागीदारों ने प्रतिकूल घटनाओं के कारण परीक्षण दवा लेना बंद कर दिया था?	9 भागीदार (11.1%)	5 भागीदार (6.1%)	13 भागीदार (9.4%)

क्या कोई भागीदार गंभीर प्रतकिूल घटनाओं का सामना करता है?

कसिी प्रतकिूल घटना को तब "गंभीर" कहा जाता है जब वह जानलेवा हो, दीर्घकालकि समस्याएं उत्पन्न करती हो, या भागीदार को अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता हो।

इस परीक्षण के भाग ए में, पेरैमपैनल समूह में 6 भागीदारों (7.4%) और प्लेसबो समूह में 7 भागीदारों (8.5%) को गंभीर प्रतकिूल घटनाएं हुई थीं। कुछ रोगयिों ने एक से ज़्यादा प्रतकिूल घटना का अनुभव कयिा था। नीचे दी गई तालकिा इस परीक्षण के भाग ए में गंभीर प्रतकिूल घटनाएं दखिाती है।

इस परीक्षण में गंभीर प्रतकिूल घटनाएं – भाग ए

गंभीर प्रतकिूल घटना	पेरैमपैनल (81 भागीदारों में से)	प्लेसबो (82 भागीदारों में से)
कब्ज़	1 प्रतभिागी (1.2%)	0 भागीदार (0.0%)
मतली	0 भागीदार (0.0%)	1 प्रतभिागी (1.2%)
डूबना	1 प्रतभिागी (1.2%)	0 भागीदार (0.0%)
क्रॉनकि कोलसिसिटाइटसि (पत्ति की थैली में बार-बार सूजन)	1 प्रतभिागी (1.2%)	0 भागीदार (0.0%)
गरिना	0 भागीदार (0.0%)	1 प्रतभिागी (1.2%)
गर्मी से जलन	0 भागीदार (0.0%)	1 प्रतभिागी (1.2%)
ऐंठन	1 प्रतभिागी (1.2%)	2 भागीदार (2.4%)
महामर्गिी की ऐंठन	0 भागीदार (0.0%)	1 प्रतभिागी (1.2%)
स्टेटस एपलिेप्टकिस	1 प्रतभिागी (1.2%)	1 प्रतभिागी (1.2%)
आत्महत्या करने के वचिार	1 प्रतभिागी (1.2%)	0 भागीदार (0.0%)
आत्महत्या करने की कोशशि	1 प्रतभिागी (1.2%)	0 भागीदार (0.0%)

भाग बी के दौरान, अक्सर होने वाली गंभीर प्रतकिूल घटनाएं ऐंठन (3 भागीदार, 2.2%) और आत्महत्या करने की कोशशि (2 भागीदार, 1.4%) थीं।

इस परीक्षण में, भाग ए के दौरान 2 मृत्यु हुई थीं: पेरैमपैनल समूह में डूबना और प्लेसबो समूह में ऐंठन। भाग बी में 1 मृत्यु हुई थी: एक्यूट पैन्क्रीयाटाइटसि, या पाचक-ग्रंथ की सूजन। परीक्षण चकिति्सकों को ऐसा नहीं लगा क कोई भी मृत्यु परीक्षण दवाओं से संबंधति थी, हालाँक परीक्षण चकिति्सक ने सोचा क भाग ए में ऐंठन भागीदार के दौरे-संबंधी वकिार से संबंधति हो सकती है

सबसे सामान्य गैर-गंभीर प्रतकिूल घटनाएं कौन सी थीं?

नीचे दी गई तालकिा इस परीक्षण के भाग ए में सबसे सामान्य गैर-गंभीर प्रतकिूल घटनाएं दखिाती है। एक गैर-गंभीर प्रतकिूल घटना को तब "सामान्य" माना जाता था यद वह कम से कम 10% भागीदारों में होती थी।

इस परीक्षण में सबसे सामान्य गैर-गंभीर प्रतकिूल घटनाएं – भाग ए

प्रतकिूल घटना	पेरैमपैनल (81 भागीदारों में से)	प्लेसबो (82 भागीदारों में से)
चक्कर आना	26 भागीदार (32.1%)	5 भागीदार (6.1%)
थकान	12 भागीदार (14.8%)	5 भागीदार (6.1%)
सरिदर्द	10 भागीदार (12.3%)	8 भागीदार (9.8%)
उनींदापन	9 भागीदार (11.1%)	3 भागीदार (3.7%)
चड़िचड़िापन	9 भागीदार (11.1%)	2 भागीदार (2.7%)

नीचे दी गई तालकिा भाग बी में सबसे सामान्य गैर-गंभीर प्रतकिूल घटनाएं दखिाती है।

इस परीक्षण में सबसे सामान्य गैर-गंभीर प्रतकिूल घटनाएं – भाग बी

प्रतकिूल घटना	पेरैमपैनल (138 भागीदारों में से)
चड़िचड़िापन	19 भागीदार (13.8%)
ऊपरी श्वसन तंत्र संक्रमण (नाक, गले, और वायुमार्गों का सबसे सामान्य संक्रमण)	18 भागीदार (13.0%)
उनींदापन	18 भागीदार (13.0%)
सरिदर्द	17 भागीदार (12.3%)
सरि चकराना (चक्कर आना जो घूमने जैसा महसूस होता है)	15 भागीदार (10.9%)
थकान	14 भागीदार (10.1%)

मैं अध्ययन के बारे में और कहाँ से जान सकता/सकती हूँ?

आप नम्नि पर अपने परीक्षण के बारे में अधकि जानकारी ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं:

- भाग A: www.clinicaltrials.gov/show/results/NCT01393743
- भाग B: www.clinicaltrials.gov/show/results/NCT02307578
- www.clinicaltrialsregister.eu/ctr-search/trial/2011-000265-12/results

आधकिारकि परीक्षण शीर्षक: प्राथमकि सामान्यीकृत टॉनकि-क्लोनकि दौरों में योजक पेरैमपैनल की प्रभावशीलता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लएि डबल-ब्लाइंड, यादृच्छकि, प्लेसबो-नयिंत्रति, बहुकेंद्रीय अध्ययन।

यहाँ प्रस्तुत कएि गए परणिाम एक परीक्षण के लएि हैं। अन्य अध्ययन नई जानकारी या अलग परणिाम प्रदान कर सकते हैं। आपको पहले अपने चकित्सिक से बात कएि बनिा कसिी एक परीक्षण के परणिामों के आधार पर अपने उपचार में बदलाव नहीं करने चाहएि।

ईसई (Eisai), इस परीक्षण की प्रायोजक, का मुख्यालय टोक्यो, जापान में और क्षेत्रीय मुख्यालय वुडक्लफ़ि लेक, न्यू जर्सी, यू.एस.ए. और हैटफील्ड, हर्टफोर्डशायर, यू.के. में हैं। सामान्य जानकारी के लएि फ़ोन नंबर 44-845-676-1400 है।

धन्यवाद

ईसई (Eisai) इस नैदानकि परीक्षण में भाग लेने के लएि आपके समय और रुचि के लएि आपको धन्यवाद देती है। आपकी भागीदारी ने स्वास्थ्य सेवा में शोध एवं सुधार में बहुमूल्य योगदान दयिा है।

ईसई कं., लि. (Eisai Co., Ltd.) शोध एवं अनुसंधान पर आधारति एक वैश्वकि दवा कंपनी है जसिका मुख्यालय जापान में है। हम अपने कॉर्पोरेट मशिन को "रोगयिों और उनके परविारों के बारे में पहले सोचना और स्वास्थ्य सेवा द्वारा प्रदान कएि जाने वाले लाभों को बढ़ाना," के रूप में परभिाषति करते हैं जसि हम हमारी मानवीय स्वास्थ्य सेवा (hhc) धारणा कहते हैं। हमारे R&D परसिरों, वनिर्िमाण साइटों, और सहायक मार्केटगि कंपनयिों के वैश्वकि नेटवर्क में काम करने वाले 10,000 से अधकि कर्मचारयिों के साथ, हम अधूरी चकित्सिीय आवश्यकताओं, जनिमें ऑन्कोलॉजी और न्यूरोलॉजी शामलि हैं, वाले अनेक उपचारात्मक क्षेत्रों में नए नवप्रवर्तक उत्पाद प्रदान करके हमारी hhc धारणा का अनुभव कराने का प्रयास करते हैं। अधकि जानकारी के लएि, कृपया http://www.eisai.com पर जाएं।

The Center for Information & Study/Trial on Clinical Research Participation (CISCRP) लोगों को नैदानकि शोध भागीदारी के बारे में शक्षिति और सूचति करने पर केंद्रति एक गैर-लाभकारी संगठन है। CISCRP नैदानकि परीक्षणों के लएि लोगों को भर्ती करने में शामलि नहीं है, न ही नैदानकि परीक्षण करने में शामलि है।

CISCRP
One Liberty Square, Suite 510
Boston, MA 02109, USA

+1-877-MED-HERO

www.ciscrp.org

संक्रिोजेनकिस (Synchrogenix) एक वशि्ववव्यापी चकित्सिीय और वनियिामक लेखन संगठन है और भागीदारों को भर्ती करने या नैदानकि परीक्षण करने में शामलि नहीं है।

Synchrogenix Headquarters
2 Righter Parkway, Suite 205
Wilmington, DE 19803, USA

+1-302-892-4800

www.synchrogenix.com